म.प्र. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
सा विद्या या विमुक्तये

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

TESS India

प्रारंभिक अंग्रेज़ी

लेखन कौशल – विकास एवं मॉनीटरिंग

भारत में विद्यालय
समर्थित शिक्षक-शिक्षा
www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

The Open University

UKaid
from the British people

एस.आर.मोहन्ती
अपर मुख्य सचिव

अ.शा.पत्र क्र R.S.K/10
दूरभाष कार्यालय - 0755-4251330
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल-462 004
भोपाल, दिनांक 20-1-2016

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

बच्चों की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और रोचक बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग निरन्तर प्रयासरत् है। आप सभी के प्रयासों से शिक्षकों के शिक्षण कौशल में भी निखार आया है और शालाओं में कक्षा शिक्षण भी आंनददायी तथा बेहतर हुआ है।

इसी दिशा में शिक्षकों को बाल केन्द्रित शिक्षण की ओर उन्मुख करने और शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को लेकर, TESS India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) का विकास किया गया हैं। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता व सुगमतापूर्वक किया जा सकता है। आशा है कि ये संसाधन, शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन और क्षमतावर्द्धन में लाभकारी और उपयोगी सिद्ध होंगे।

राज्य शिक्षा केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में TESS India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया गया हैं। आशा है इन संसाधनों के उपयोग से प्रदेश के शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षक लाभान्वित होंगे और कक्षाओं में पठन पाठन को रूचिकर और गुणवत्तायुक्त बनाने में मदद मिलेगी।
शुभकामनाओं सहित,

(एस.आर.मोहन्ती)

दीप्ति गौड मुकर्जी
आयुक्त
राज्य शिक्षा केन्द्र एवं
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

अर्द्ध शा. पत्र क्र. : 8
दिनांक : 12-1-16
पुस्तक भवन, वी-विंग
अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
फोन : (का.) 2768392
फैक्स : (0755) 2552363
वेवसाइट : www.educationportal.mp.gov.in
ई-मेल : rskcommmp@nic.in

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

सभी बच्चों को रूचिकर और बाल केन्द्रित शिक्षा उपलब्ध हो इसके लिए आवश्यक है कि हमारे शिक्षकों को शिक्षण की नवीनतम तकनीकों और शिक्षण विधियों से परिचित कराया जाए साथ ही इन तकनीकों के उपयोग के लिए उन्हे प्रोत्साहित भी किया जाए। TESS India द्वारा तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) के उपयोग से शिक्षक शिक्षण प्रविधि के व्यावहारिक उपयोग को सीख सकते हैं। इनकी सहायता से शिक्षक न केवल विषय वस्तु को सुगमता पूर्वक पढ़ा सकते हैं बल्कि पठन पाठन की इस प्रकिया में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

राज्य शिक्षा केन्द्र स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानीय भाषा में तैयार किये गये इन मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को अपने पोर्टल www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया है।

आशा हैं, कि आप इन संसाधनों का कक्षा शिक्षण के दौरान नियमित रूप से उपयोग करेंगे और अपने शिक्षण कौशल में वृद्धि करते हुए बच्चों की पढ़ाई को आनंददायक बनाने का प्रयास करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(दीप्ति गौड़ मुकर्जी)

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

टेस–इण्डिया स्थानीयकृत ओईआर निर्माण में सहयोग

मार्गदर्शन एवं समीक्षा :
श्रीमती स्वाति मीणा नायक, अपर मिशन संचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एच. के. सेनापति, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. ओ.पी.शर्मा, अपर संचालक, मध्यप्रदेश एससीईआरटी
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
प्रो.जयदीप मंडल, विभागाध्यक्ष विज्ञान एवं गणित शिक्षा संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आर. रायजादा, सहप्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष विस्तार शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. वी.जी. जाधव, से.नि. प्राध्यापक भौतिक, एनसीईआरटी
डॉ. के. बी. सुब्रमण्यम से.नि. प्राध्यापक गणित, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आई. पी. अग्रवाल से.नि. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. अश्विनी गर्ग सहा. प्राध्यापक गणित संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. एल. के. तिवारी, सहप्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री एल.एस.चौहान, सहा. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. श्रुति त्रिपाठी, सहा. प्राध्यापक अंग्रेजी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. रजनी थपलियाल, व्याख्याता अंग्रेजी, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. मधु जैन, व्याख्याता शास. उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल
डॉ. सुशोवन बनिक, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. सौरभ कुमार मिश्रा, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री. अजी थॉमस, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. राजीव कुमार जैन, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
स्थानीयकरण :
भाषा एवं साक्षरता
डॉ. लोकेश खरे, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एम.एल. उपाध्याय से.नि. व्याख्याता शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय मुरैना
श्री रामगोपाल रायकवार ,कनि. व्याख्याता, डाइट कुण्डेश्वर, टीकमगढ़
डॉ. दीपक जैन अध्यापक, शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय क्र 1 टीकमगढ़
अंग्रेजी
श्री राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्रीमती कमलेश शर्मा. डायरेक्टर , ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री हेमंत शर्मा, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री मनोज कुमार गुहा वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी. मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एफ.एस.खान, वरि.व्याख्याता, प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (आईएएसई) भोपाल
श्री सुदीप दास, प्राचार्य, शास.उ.मा.विद्यालय दालौदा, मन्दसौर
श्रीमती संगीता सक्सेना, व्याख्याता, ,शास.कस्तूरबा कन्या उ.मा.विद्यालय भोपाल
गणित
श्री बी.बी. पी. गुप्ता, समन्वयक गणित, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ए. एच. खान प्राचार्य शास.उ.मा.विद्यालय रामाकोना, छिंदवाड़ा
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्त , प्राचार्य शास. जीवाजी ऑब्जर्वेटरी उज्जैन
डॉ.आर,सी. उपाध्याय, वरि. व्याख्याता, डाइट, सतना
डॉ. सीमा जैन, व्याख्याता, शास. कन्या उ.मा.विद्यालय गोविन्दपुरा, भोपाल
श्री सुशील कुमार शर्मा, शिक्षक, शास. लक्ष्मी मंडी उ.मा.विद्यालय, अशोका गार्डन, भोपाल
विज्ञान
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
डॉ. सुसम्मा जॉनसन, व्याख्याता एस.आई.एस.ई. जबलपुर मध्यप्रदेश
डॉ.सुबोध सक्सैना, समन्वयक एससीईआरटी मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री अरूण भार्गव, वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्रीमती सुषमा भट्ट, वरि.व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ब्रजेश सक्सेना, प्राचार्य, एससीईआरटी ,मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. रेहाना सिद्दकी से.नि. व्याख्याता सेन्ट फ्रांसिस हा. से. स्कूल भोपाल

*TESS-India (*विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा*)* का उद्देश्य मुक्त शैक्षिक संसाधनों की सहायता से भारत में प्रारंभिक और सेकेण्डरी शिक्षकों के कक्षा अभ्यास व कक्षा निष्पादन को सुधारना है जिसमें वे इन संसाधनों की सहायता से विद्यार्थी-केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों का विकास कर सकें। टेस इंडिया के मुक्त शैक्षिक संसाधन शिक्षकों के लिए स्कूल पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त,सहयोगी पुस्तिका या संसाधन की तरह हैं। इसमें शिक्षकों के लिए कुछ गतिविधियां दी गई हैं जिन्हे वे कक्षाओ में विद्यार्थियों के साथ प्रयोग में ला सकते हैं, इसके साथ साथ कुछ केस स्टडी दी गई हैं जो यह बताती हैं कि कैसे अन्य शिक्षकों ने पाठ्यविषय को कक्षाओं में पढ़ाया और अपनी विषय संबंधी जानकारियों को बढ़ाने तथा पाठ योजनाओं को तैयार करने में संसाधनों का उपयोग किया।

TESS-India OER भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध हैं *(http://www.tess-india.edu.in)*। *OER* कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक भारतीय राज्य के शिक्षकों के उपयोग के लिए उपयुक्त तथा कई संस्करणों में उपलब्ध हैं तथा शिक्षक व उपयोगकर्ता इन्हे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और सन्दर्भों के अनुरूप इनका स्थानीय करण करके उपयोग कर सकते हैं।

प्रस्तुत संस्करण मध्यप्रदेश की स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ यह आइकॉन दिया गया है*:* *.* इसका अर्थ है कि आप उक्त विशिष्ट विषयवस्तु या शैक्षणिक प्रविधि को और अधिक समझने के लिए *TESS-India* के वीडियो संसाधनों की मदद ले सकते हैं।

TESS-India वीडियो ससांधन (Resources) भारतीय परिप्रेक्ष्य में कक्षाओं में उपयोग की जा सकने वाली सीखने–सिखाने की विविध तकनीकों को दर्शाते हैं। हमें यकीन है कि इनसे आपको इसी प्रकार की तकनीकें अपनी कक्षा में करने में मदद मिलेगी। यदि इन वीडियो संसाधनों तक आपकी पहुँच नहीं हो तो कोई बात नहीं। यह वीडियो पाठ्यपुस्तक का स्थान नहीं लेते, बल्कि उसको पढ़ाने में आपकी मदद करते हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को *TESS-India* की वेबसाइट *http://www.tess-india.edu.in/* पर ऑनलाइन देखा जा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त आप इन वीडियो को सीडी या मेमोरी कार्ड में लेकर भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 EE14v2
Madhya Pradesh
तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है*: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3*
TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

यह इकाई उन रणनीतियों से संबंधित है, जिनका उपयोग आप अपनी कक्षा में अंग्रेज़ी भाषा लेखन को प्रोत्साहित करने के लिए कर सकते हैं। यह मुख्य रूप से निबंध/पत्र,लेखन और ड्राफ्टिंग में आपके विद्यार्थियों की सहायता करने पर केंद्रित है। बेशक वर्तनी, हस्तलेख और विराम-चिह्न भी महत्वपूर्ण हैं। लेकिन जब विद्यार्थी इस बारे में अपने विचारों की ड्राफ्टिंग और लेखन कर रहे हों कि उन्हें किस बारे में लिखना चाहिए तो वे उसी समय स्वंतःही लेखन कौशल भी सीख रहे होंगे।

लेखन का उद्देश्य होता है कि इसे पढ़ा जाए इसलिए लेखन पर ध्यान केंद्रित करने में पठन पर ध्यान केंद्रित करना भी हमेशा ही शामिल रहेगा। जब आप और आपके विद्यार्थी लेखन के बारे में बात करते हैं तो आप उनके मौखिक भाषाई कौशल भी विकसित करते हैं।

इस इकाई से आप क्या सीख सकते हैं

- अपने विद्यार्थियों के उपयोग हेतु निबंध/पत्र लेखन/ रचनात्मक कार्यों की पहचान करना।
- अपने विद्यार्थियों के लिए लेखन गतिविधियों की योजना तैयार करना।
- अपने विद्यार्थियों की अंग्रेज़ी भाषा वर्तनी का मूल्यांकन करना।

1 लेखन और रिकार्ड बनाना

अपने लिए एक गतिविधि में लेखन की दो मुख्य प्रक्रियाओं के बारे में विचार के साथ शुरुआत करें: लेखन और रिकार्ड बनाना।

किसी भी भाषा में, लेखन की प्रक्रिया में मन में विचारों को बाहर लाकर कागज़ पर उतारना शामिल होता है। लेखन के दो पहलू होते हैं:

- लेखन:– एक लेखन भूमिका जिसमें विचार प्राप्त करना, लिखित पाठ्य के स्वरूप को तय करना (कविता, कहानी, रिपोर्ट, रेसिपी, निर्देशों का समूह आदि), इस लेखन को कौन और क्यों पढ़ेगा, इस बारे में सोचना शामिल होता है। डाफ्ट तैयार करना लेखन का एक महत्वपूर्णा भाग होत है। कुछ भी लिखने का पहला प्रयास शायद ही कभी अचूक होता है।
- रिकार्ड बनाना:– एक सचिवीय भूमिका जिसमें इस बात पर ध्यान देना शामिल होता है कि लेखन किस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है ताकि दूसरे लोग इसे पढ़ और समझ सकें। इसमें हस्तलेखन, स्पेलिंग, विराम चिह्न और सामान्य लेआउट जैसे पहलू शामिल होते हैं। रिकार्ड बनाने में लेखक एक अंतिम ड्राफ्ट से एक पूर्ण आलेख तक कार्य कर सकता है।

जब विद्यार्थी अंग्रेज़ी भाषा में या किसी भी अन्य भाषा में लिखना शुरू करते हैं तो उन्हें एक ही समय पर लेखन और प्रतिलेख दोनों को नियंत्रित करने और इनमें से प्रत्येक में समान उत्कृष्टता के साथ प्रदर्शन करने में कठिनाई हो सकती है। जब विद्यार्थी लेखन अंश के लिए विचार प्राप्त करने पर केंद्रित हों, तो हो सकता है कि वे संबंधित शब्दों की सही स्पेलिंग न बता पाएँ; जब उनका ध्यान शब्दों की सही स्पेलिंग पर केंद्रित होता है, तो कहानी या कविता के लिए उनके विचार कम रचनात्मक हो सकते हैं।

विचार कीजिए

- जब आप अपने विद्यार्थियों को अंग्रेज़ी भाषा सिखाते हैं तो मुख्य रूप से ध्यान किस पर केंद्रित होता है – लेखन या प्रतिलेख?
- क्या आपने देखा है कि विद्यार्थियों को लेखन और प्रतिलेख दोनों को नियंत्रित करने में कठिनाई होती है? इससे उबरने में उनकी
  मदद करने के लिए आप किन अध्यापन तकनीकों का उपयोग करते हैं?
- आप अपने विद्यार्थियों को उनके विचारों का मसौदा अंग्रेज़ी भाषा में लिखने के लिए कौन-से अवसर देते हैं?

केस–स्टडी 1 में एक शिक्षक लेखन और ड्राफ्टिंग पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

> केस–स्टडी 1: श्री श्याम ड्राफ्टिंग को प्रोत्साहित करते हैं
>
> श्री श्याम गाँव के स्कूल में कक्षा छः के विद्यार्थियों को अंग्रेज़ी *भाषा* सिखाते हैं।
>
> मैंने बोर्ड पर एक आकृति बनाई। विद्यार्थियों को सोचने के लिए प्रेरित करने हेतु मैंने उनसे कुछ प्रश्न पूछे जैसे यह कौन है? और यह कहाँ रहता है? मैंने विद्यार्थियों को इस बात के लिए प्रोत्साहित किया कि वे उस व्यक्ति की आकृति के बारे में मुझसे और प्रश्न पूछें। उन्होंने अपने विचार प्रस्तुत किए जैसे वह क्या काम करता है? और उसे क्या पसंद है?

उन्होंने तय किया कि यह आकृति स्कूल के रसोइये रमेश की है। मैंने विद्यार्थियों से कहा कि वे तय करें कि प्रश्नों का उत्तर कैसे देना है। मैंने चित्र के बारे में उनके कुछ सुझाव बोर्ड पर लिखे।

मैंने उनसे कहा कि वे अपने स्वयं के वाक्य अपनी कॉपियों में लिखें [चित्र 1]। इन ड्राफ्ट से विद्यार्थियों ने रमेश के व्यक्तित्व का वर्णन किया।

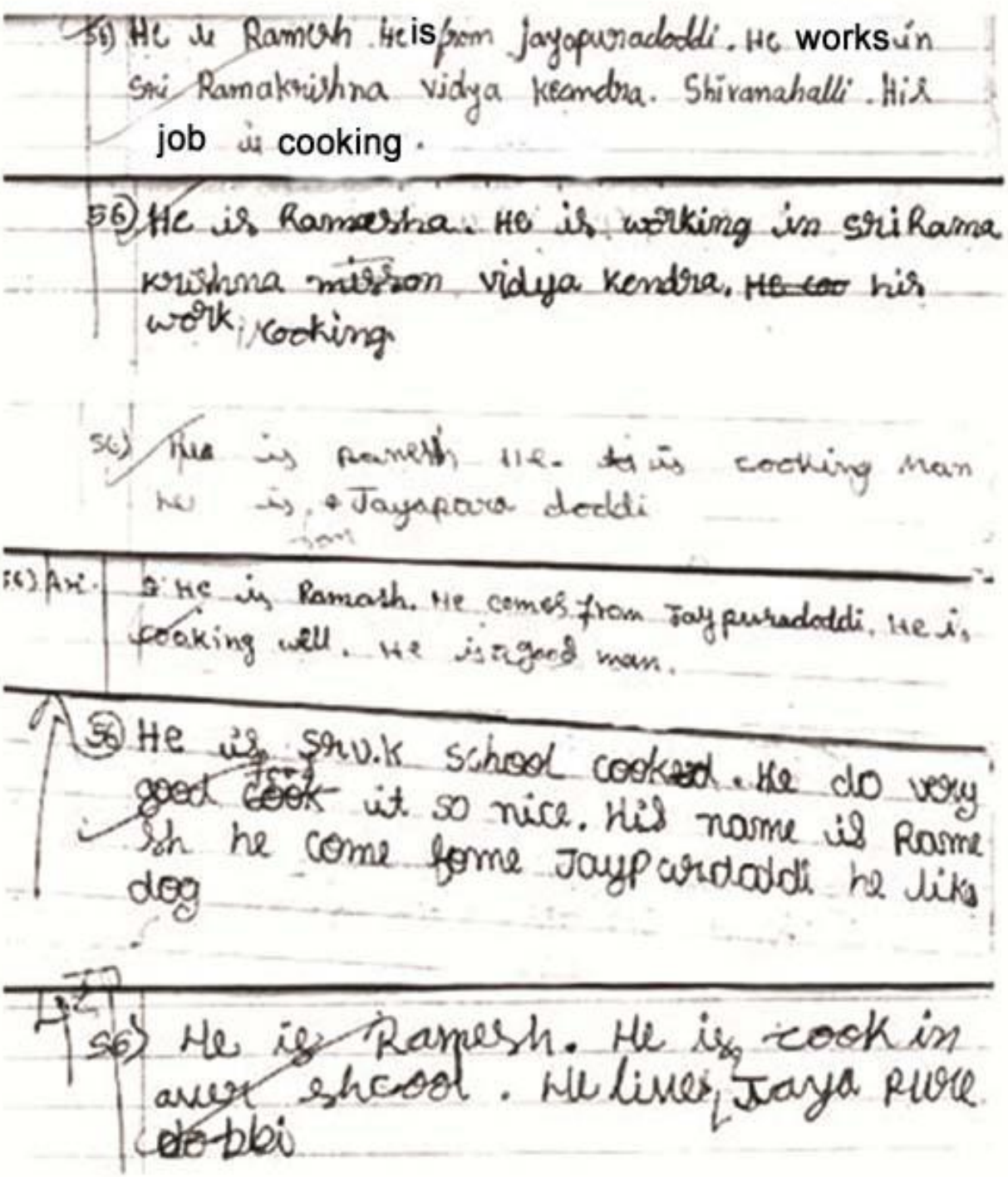

चित्र **1** रमेश के बारे में श्री श्याम के विद्यार्थियों के लेखन का एक नमूना।

विचार कीजिए

- विद्यार्थियों ने रमेश के बारे में जो वाक्य लिखे थे, उन्हें ध्यान से देखें। हालांकि कक्षा के साथ मिलकर उत्तरों पर चर्चा की थी, लेकिन प्रत्येक विद्यार्थी ने रमेश के बारे कुछ अलग तरीके से लिखा था। इससे अंग्रेज़ी भाषा में लिखने की उनकी क्षमता के बारे में क्या पता चलता है?
- आपको क्यों लगता है कि श्री श्याम ने उनके ड्राफ्ट लेखन में केवल छोटे-मोटे सुधार ही किए थे?
- श्री रमेश ने इस गतिविधि में लेखन और प्रतिलेख की मांगों के बीच किस प्रकार संतुलन बनाया है?

श्री श्याम स्वतंत्रता दिवस समारोह के बारे में लिखने के लिए विद्यार्थियों के विचारों का ड्राफ्ट तैयार करने में मदद के लिए भी इसी प्रकार की विधि का उपयोग करते हैं। उन्होंने उन्हें एक आरेख दिया और उनसे प्रत्येक बॉक्स में वाक्य लिखने को कहा (चित्र 2)।

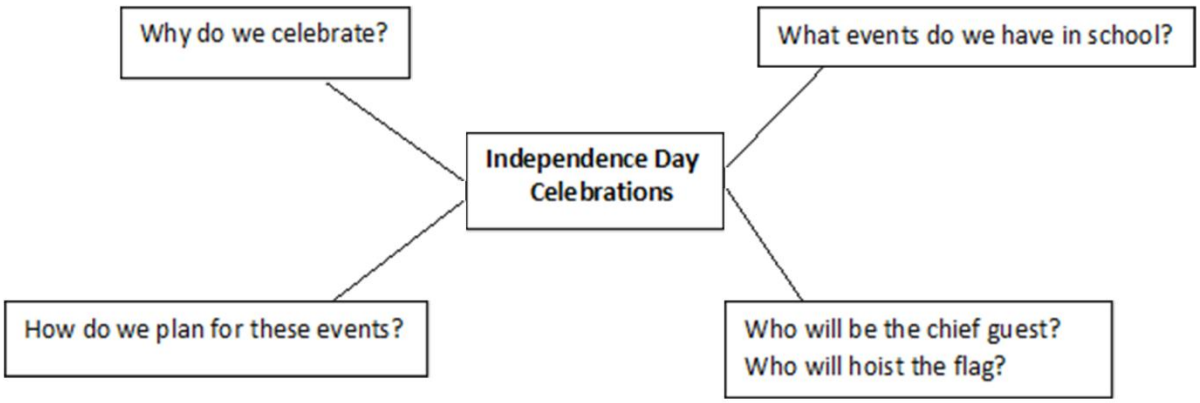

चित्र **2** स्वतंत्रता दिवस के बारे में श्री श्याम के प्रश्न।

क्या आपको लगता है कि आप इस आरेख का उपयोग कर सकते हैं, ताकि आपके विद्यार्थी अन्य विषयों पर लिखना शुरू करें?

गतिविधि 1: ड्राफ्टिंग एक योजना गतिविधि को प्रोत्साहित करना
एक मार्गदर्शिका के रूप में केस–स्टडी 1 से श्री श्याम का उदहारण लेकर, अपने विद्यार्थियों के लिए एक ड्राफ्टिंग गतिविधि की योजना बनाएँ। इसका विषय आपकी पाठयपुस्तक से लिया जा सकता है विज्ञान या इतिहास जैसे विषय का कोई प्रकरण हो सकता है या वास्तविक-जीवन की किसी स्थिति के बारे में हो सकता है। अंग्रेज़ी भाषा में वाक्यों का ड्राफ्ट तैयार करने में विद्यार्थियों की मदद करने के लिए आप निर्देश मौखिक रूप से दे सकते हैं या चित्र 2 के समान एक आरेख का उपयोग कर सकते हैं। ड्राफ्टिंग में ध्यान लेखन पर केंद्रित किया जाता है, प्रतिलेखन पर नहीं। अपने विद्यार्थियों को बताएँ कि उन्हें पहले अनुक्रम और संरचना बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और बाद में वे स्पेलिंग और प्रस्तुतिकरण पर काम कर सकते हैं। उनके मसौदों से, अगले पाठ की योजना बनाएँ, जहाँ विद्यार्थी अपने लेखन में सुधार करके उसे पूरा करेंगे।

2 फीडबैक देना

विद्यार्थियों के लेखन पर फीडबैक देते समय एक बार में केवल एक या दो पहलुओं पर ही ध्यान केंद्रित करें। इससे यह सुनिश्चित हो जाएगा कि वे अत्यधिक सुधारों के कारण निराश या अत्यधिक फीडबैक के कारण परेशान न हो जाएँ। पहले ड्राफ्ट पर फीडबैक देते समय विद्यार्थियों के संघटन के प्रयासों की तारीफ़ करना महत्वपूर्ण है। क्या विद्यार्थी के पास कहानी के लिए कोई बढ़िया विचार था? क्या विद्यार्थी ने रोचक संवाद लिखे थे? क्या विद्यार्थी ने रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं को लिखना याद रखा था? क्या विद्यार्थी ने अंग्रेज़ी भाषा में लिखने का अच्छा प्रयास किया था?

प्रतिलेख पर फीडबैक देने के लिए, उनके ड्राफ्ट पर चिह्नों से निशान लगाएँ और इनके अर्थ के बारे में पूरी कक्षा के साथ चर्चा करें। चित्र 3 में उदाहरण दर्शाए गए हैं।

Symbol	Meaning	Incorrect
P	Punctuation	I live work, and go to school in Lucknow.
⌒	Close space	Every one works hard.
SP	Spelling	The maneger is a woman.
PL	Plural	Apple are the most nutritious fruit.
∅	Unnecessary word	The student she studies all the time.
O	Missing word	Please don't me that question anymore.

चित्र **3** फीडबैक के लिए चिह्न।

भले ही आपकी कक्षा बड़ी हो लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि आप हर एक विद्यार्थी को अलग-अलग फीडबैक दें। फीडबैक देने या टिप्पणी करने का कोई एक तरीका नहीं है। इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि फीडबैक से लेखन के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण बने। अगली केस स्टडी में एक शिक्षिका तय करती हैं कि एक विद्यार्थी के लेखन पर फीडबैक किस तरह दिया जाए।

विद्यार्थी की प्रगति का मूल्यांकन करने और इसे दर्ज करने की विधियों के बारे में अधिक जानकारी के लिए संसाधन 1, मानीटरिंग करना और फीडबैक देना देखें।

केस–स्टडी 2: सुश्री शाहिदा श्रुतलेख का मूल्यांकन करती हैं

सुश्री शाहिदा *एक सरकारी स्कूल में पढ़ाती हैं जहाँ सभी बच्चे परिवार में स्कूल जाने वाली पहली-पीढ़ी के हैं।*

मैंने विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तक से डिक्टेशन दिया। जब विद्यार्थियो ने अपना काम मुझे सौंपा तो मैंने इसकी समीक्षा की और देखा कि दस वर्ष की एक लड़की ने pencil, rubber और boxes शब्दों की स्पेलिंग इस प्रकार लिखी थी:

- pensl
- rubr
- bokss.

मेरी पहली प्रतिक्रिया इन गलतियों को सुधारने की थी। लेकिन मैं देख सकती थी कि वह लड़की अंग्रेज़ी भाषा शब्दों की शुरूआती ध्वनियों को जानती थी। वह व्यंजन की ध्वनियों को पहचानती थी और वह जानती थी कि कुछ शब्द बड़े अक्षरों (capital letters) से शुरू होते हैं। वह अभी तक व्यंजनों के बीच आने वाले अंग्रेज़ी भाषा स्वरों की ध्वनियों में अंतर नहीं कर पाती थी। मैं देख सकती थी कि वह अंग्रेज़ी भाषा के अपने मौखिक ज्ञान का उपयोग करके स्पेलिंग लिखने का अच्छा प्रयास कर रही थी हालांकि लेखन में यह हमेशा सही नहीं था जैसा कि 'k' का उपयोग 'x' के लिए और 's' का 'c' के लिए करने से स्पष्ट होता है। मैं समझ गई कि अंग्रेज़ी भाषा वर्णों और ध्वनियों की उसकी मौजूदा समझ के आधार पर वह लेखन का अच्छा प्रयास कर रही थी।

मैंने उसके प्रयासों की तारीफ़ की। लेकिन साथ ही उसे कहा कि वह अपने लिखे को ध्यान से पढ़े और एक शब्दकोश का उपयोग करके अपनी स्पेलिंग की जाँच करे। मैंने उसे ज्यादा पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया क्योंकि वह अंग्रेज़ी भाषा में जितना ज्यादा पढ़ेगी उसकी वर्तनी भी उतनी ही बेहतर बनेगी।

मैं लेखन की त्रुटियों को अनदेखा नहीं करती हूँ और मैं विद्यार्थियों को फीडबैक व सुधार बताती हूँ। लेकिन मैं यह देखने की कोशिश करती हूँ कि किस तरह उनकी गलतियों से मुझे उनकी विचार-प्रक्रिया और विकास के स्तर के बारे में संकेत मिल सकें। उनकी गलतियों से मुझे पता चलता है कि मुझे आगे किस बात की योजना बनानी चाहिए।

गतिविधि 2: त्रुटियाँ और उसका आकलन

लेखन की त्रुटियों को मोटे तौर पर इस प्रकार श्रेणीबद्ध किया जा सकता है:

- 'मूर्खतापूर्ण गलती' या चूक जिन्हें विद्यार्थियों को दिखाए जाने पर वे खुद इनमें सुधार कर सकते हैं
- 'गलतफहमियां' जिन्हें विद्यार्थी खुद नहीं सुधार सकते और शिक्षकों द्वारा इनके बारे में समझाया जाना आवश्यक होता है
- 'प्रयास' जहाँ विद्यार्थी कुछ करने की कोशिश करते हैं, लेकिन गलतियाँ हो जाती हैं क्योंकि उन्हें अभी आवश्यक भाषा-संबंधी कौशल या ज्ञान प्राप्त नहीं हुआ है।

विद्यार्थियों के लेखन के दो अंशों को देखें (चित्र 4 और 5)। उनमें मूर्खतापूर्ण गल्तियों गलतफहमियों या प्रयासों में से किसके प्रमाण दिख रहे हैं? आपने इस इकाई के प्रारंभ में लेखन और प्रतिलेख की जिन अवधारणाओं के बारे में पढ़ा था उनके आधार पर आप लेखन का मूल्यांकन किस प्रकार करेंगे? आप प्रत्येक विद्यार्थी को प्रोत्साहित करने वाला फीडबैक देने के लिए उनसे क्या कहेंगे? अपने स्कूल के अन्य शिक्षकों के साथ इन उदाहरणों के बारे में बात करें और मूल्यांकन व फीडबैक के लिए आपके विचारों की तुलना करें।

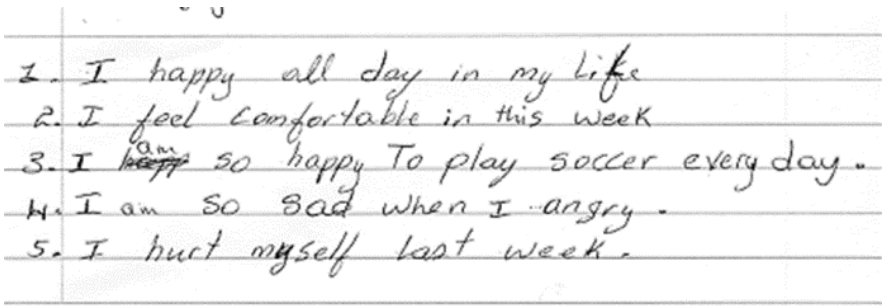
1. I happy all day in my life
2. I feel comfortable in this week
3. I ~~keep~~ am so happy To play soccer every day.
4. I am so sad when I angry.
5. I hurt myself last week.

चित्र **4** ग्यारह वर्ष के एक लड़के को खुद के बारे में पाँच वाक्य लिखने को कहा गया है।

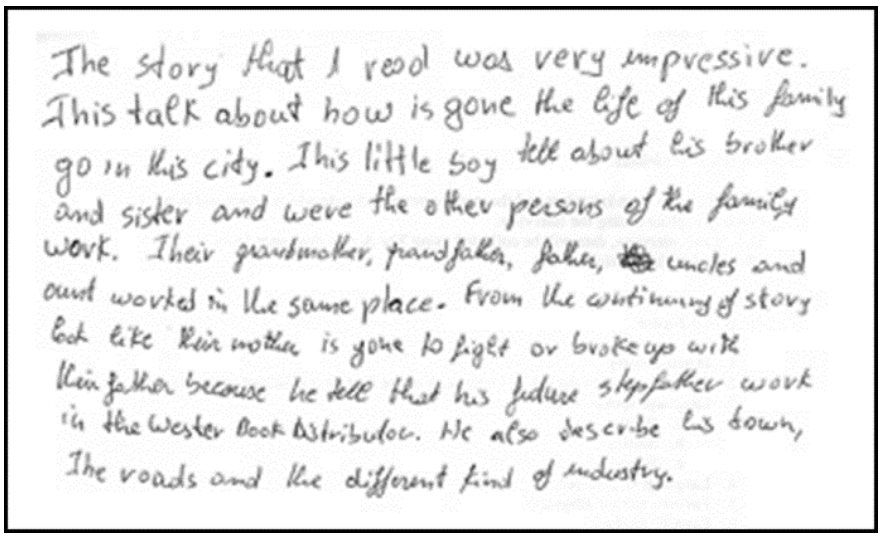
The story that I read was very impressive. This talk about how is gone the life of this family go in this city. This little boy tell about his brother and sister and were the other persons of the family work. Their grandmother, grandfather, father, uncles and aunt worked in the same place. From the continuing of story look like their mother is gone to fight or broke up with their father because he tell that his future stepfather work in the Wester Book Distributor. He also describe his town, The roads and the different kind of industry.

चित्र **5** एक 12-वर्षीय लड़की से कहा गया था कि उसने जो पुस्तक पढ़ी थी, वह उसके पहले अध्याय के बारे में एक पैराग्राफ लिखे।

जब विद्यार्थी अंग्रेज़ी भाषा में बोलते और लिखते हैं, तो कभी-कभी वे उन अंग्रेज़ी भाषा के शब्दों को छोड़ देते है जो उनके घर की भाषा में नहीं हैं उदाहरण के लिए a,'the' या 'an' जैसे आर्टिकल। इस अवसर का उपयोग करते हुए अपने विद्यार्थियों से अन्य भाषा की तुलना में अंग्रेज़ी भाषा की संरचना में अंतर के बारे में बात करें।

अक्सर बहुभाषी लोग बोलते और लिखते समय भाषाओं को आपस में मिला देते हैं – यह बात पूरी दुनिया में बहुत आम है। आप विद्यार्थियों को इस स्वभाव के बारे में बताने के लिए ऐसे लोगों में से किसी को आमंत्रित कर सकते हैं

जो घर में अलग अलग बोलियाँ या भाषाएँ बोलते हैं और वे आकर अपने घर की भाषा में किसी विषय के बारे में बोलेंगे या अपने घर के भाषा में लिखकर इसे कक्षा को पढ़कर सुनाएँगे अथवा प्रदर्शित करेंगे। आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आप इस पर कोई टिप्पणी न करें और न विद्यार्थियो द्वारा कोई टिप्पणी की जाए। इसका उद्देश्य केवल यह होना चाहिए कि विद्यार्थी खुद देख सकें कि भाषाओं का मिश्रण स्वाभाविक है और कभी-कभी अंग्रेज़ी भाषा का उपयोग करना ठीक वैसा है, जैसे किसी अन्य भाषा का उपयोग करना, जो भाषा उन्हें पहले से आती है। जिन गतिविधियों के द्वारा विद्यार्थियों की घर की भाषाएँ अंग्रेज़ी भाषा की कक्षा में आती हैं, उनसे अंग्रेज़ी भाषा में बोलने के बारे में उनकी बाधाओं को दूर करने में बहुत मदद मिलेगी और साथ ही अपने देश के समृद्ध बहुभाषी स्वरूप का स्वागत भी होगा।

वीडियो:– मानीटरिंग करना और फीडबैक देना

3 लेखन को प्रोत्साहित करने के लिए पढ़ना

विद्यार्थियों अंग्रेज़ी भाषा में जितना ज्यादा सुनते हैं और पढ़ते हैं उतना ही उनका अंग्रेज़ी भाषा लेखन बेहतर होगा। जब आप विद्यार्थियों को अंग्रेज़ी भाषा में बोलना और पढ़ना सिखाते हैं तो आप उन्हें अंग्रेज़ी भाषा में लिखना भी सिखाते हैं। एक बार जब विद्यार्थी पढ़ने लगते हैं, तो वे लिखना भी शुरू कर सकते हैं। जब वे लिखने लगते हैं तो वे अपने खुद के और दूसरों के लेखन को पढ़ना चाहेंगे। अंतिम केस–स्टडी में शिक्षक इस प्रक्रिया की प्रेरणा देने के नए तरीकों को आज़माते हैं।

केस–स्टडी 3: श्री भट्ट लेखन को प्रोत्साहित करने के लिए पढ़ने से शुरुआत करते हैं

यह एक सरकारी स्कूल शिक्षक श्री हेमराज भट्ट द्वारा लिखे गए लेख से लिया गया उदाहरण है।

हमारी नई पाठयपुस्तक एक नया तरीका प्रस्तुत करने जा रही थी जिसमें विद्यार्थियों को वर्णमाला के वर्ण पढ़ाकर शुरुआत करने और फिर उन्हें 'रटने' के लिए वर्ण लिखने को कहने के बजाय सीधे ही अंग्रेज़ी भाषा के शब्दों और वाक्यों से उनका परिचय कराया जाने वाला था। लेखन को कोई विशेष महत्व नहीं दिया जाने वाला था। इसके बजाय विद्यार्थियों को अंग्रेज़ी भाषा सुनने, पढ़ने और बोलने के मौके दिए जाने वाले थे। इससे पहले पाठयपुस्तक में शुरुआती छह से आठ पन्ने अंग्रेज़ी भाषा वर्णमाला और इससे संबंधित चित्रों के लिए होते थे। इस नई पुस्तक के द्वारा अंग्रेज़ी भाषा लेखन की शुरुआत वर्णमाला से करने की यह परंपरा तोड़ी जाने वाली थी। एक पारंपरिक शिक्षक होने के कारण मुझे इस बात की कल्पना करना भी कठिन लग रहा था कि वर्णों को लिखे बिना विद्यार्थी सीधे ही अंग्रेज़ी भाषा पढ़ पाने में कैसे सक्षम हो सकेंगे।

दिया गया प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद मैंने प्रयोग करना तय किया। मैंने अपने विद्यार्थियों के बीच कुछ अंग्रेज़ी भाषा के अखबार और बच्चों की पत्रिकाएँ वितरित कीं ताकि हर कोई कम से कम तीन पन्नों को देख सके। मैंने बोर्ड पर एक अंग्रेज़ी भाषा का शब्द लिखा। उदारहण के लिए, एक विद्यार्थी का नाम जयपाल था। मैंने बोर्ड पर उसका नाम लिखा। अब जयपाल को जो अख़बार दिया गया था उसे उसमें अंग्रेज़ी वर्ण 'J', 'A', 'I', 'P' 'A' और 'L' ढूँढकर उन पर गोल घेरा बनाना था। इसी तरह सभी विद्यार्थियों को उन्हें दिए गए अख़बार में अपने नामों में दिखने वाले वर्ण ढूँढने थे और उन पर गोल घेरा बनाना था।

विद्यार्थियों को अपने नामों के पहले वर्ण ढूँढने में बहुत मज़ा आया। उन्हें खासतौर पर तब आश्चर्य हुआ जब उन्हें अखबार में अंग्रेज़ी भाषा में अपना पूरा नाम दिखाई दिया और वे पूरे शब्द पर गोल घेरा बना सके। इस अभ्यास का उद्देश्य विद्यार्थियों को शब्दों से वर्णों पर ले जाना था और ऐसा सफलतापूर्वक हो गया। मुझे यह देखकर अचंभा हुआ कि जो विद्यार्थी कुछ महीनों पहले तक अंग्रेज़ी भाषा के वर्णों को पहचान नहीं पाते थे किस तरह वे अखबारों और पत्रिकाओं में वर्णों और शब्दों के उदाहरणों को ढूँढ पाने में सक्षम थे। अख़बार के इस अभ्यास से मुझे अहसास हुआ कि अंग्रेज़ी भाषा पढ़ना विद्यार्थियों के लिए मज़ेदार बनाया जा सकता है। एक शिक्षक होने के नाते मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण यह देखना था कि जब विद्यार्थी अंग्रेज़ी भाषा पढ़ने लगे तो वे अंग्रेज़ी भाषा में लिखना शुरू करने के लिए भी उत्साहित थे।

(भट्ट, 2009 से लिया गया)

विचार कीजिए

- क्या आप श्री हेमराज भट्ट के इस निष्कर्ष से सहमत हैं कि सुनना, बोलना और पढ़ना अंग्रेज़ी भाषा में लिखने से पहले किया जाना चाहिए? क्यों या क्यों नहीं?

- भारत में, माध्यमिक स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी पूर्व प्राथमिक कक्षाओं से ही अंग्रेज़ी भाषा पढ़ी है – लेकिन उनमें से अधिकांश विद्यार्थी सरल शब्दों को भी पढ़ पाने में असमर्थ हैं फिर अंग्रेज़ी भाषा वाक्य लिखना तो दूर की बात है। आपके अनुसार श्री भट्ट की अखबार गतिविधि इस समस्या को कैसे सुलझाती है?
- क्या आपको लगता है कि आप उपरोक्त अखबार गतिविधि अपने विद्यार्थियों के साथ आज़माकर देख सकते हैं? यदि आपके पास अंग्रेज़ी भाषा का अख़बार उपलब्ध नहीं हैं तो क्या आप कई तरह की अंग्रेज़ी भाषा की पाठ्यपुस्तकों का उपयोग करके इस गतिविधि को आज़मा सकते हैं?

गतिविधि 3: लेखन को प्रोत्साहित करने के लिए पढ़ना एक योजना गतिविधि
संसाधन 2 की गतिविधियों को पढ़ें। इनमें से प्रत्येक गतिविधि में पढ़ना और लिखना आपस में जुड़े हुए हैं। • कोई एक गतिविधि चुनें जो आपको लगता है कि आप अपनी कक्षा के साथ आज़मा सकते हैं। • आप इस गतिविधि से विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए लेखन का मूल्यांकन किस प्रकार करेंगे? • आप लेखन पर कितना ध्यान देंगे और प्रतिलेख पर कितना ध्यान देंगे? • क्या आपको लगता है कि पढ़ने और लिखने के बीच संबंध जोड़ना महत्वपूर्ण है?

4 सारांश

यह इकाई इस बात पर केंद्रित है कि आप किस प्रकार अंग्रेज़ी भाषा लेखन में प्रगति करने में अपने विद्यार्थियों की मदद कर सकते हैं और अंग्रेज़ी भाषा में लेखन के उनके प्रयासों का मूल्यांकन किस प्रकार कर सकते हैं। यह आवश्यक नहीं है कि अंग्रेज़ी भाषा में लिखना शुरू करने के लिए विद्यार्थी अंग्रेज़ी भाषा व्याकरण में वाक्पटु हों या बिलकुल सही अंग्रेज़ी भाषा स्पेलिंग लिखने का तरीका जानते ही हों। ड्राफ्टिंग और लेखन के अवसर बार-बार मिलने पर, विद्यार्थी अंग्रेज़ी भाषा स्पेलिंग और वाक्य संरचना का अभ्यास करेंगे।
इस विषय पर अंग्रेजी भाषा के प्राथमिक शालाओं के शिक्षकों के विकास हेतू इकाइयाँ हैं:

- सीखने का परिवेश
- लिखने की शुरूआत

संसाधन

संसाधन 1: मानीटरिंग करना और फीडबैक देना

विद्यार्थियों का प्रदर्शन सुधारने के लिए सतत मानीटरिंग करने और उन्हें उत्तर देने की ज़रुरत होती है ताकि वे जान सकें कि उनसे क्या अपेक्षित है और काम पूरे करने के बाद उन्हें प्रतिक्रिया मिले। आपकी रचनात्मक प्रतिक्रिया से वे अपना प्रदर्शन सुधार सकते हैं।

मानीटरिंग करना

प्रभावी शिक्षक अधिकांश समय अपने विद्यार्थियों की मानीटरिंग करते हैं। आमतौर पर ज्यादातर शिक्षक विघार्थियो की बातें सुनकर और कक्षा में वे क्या कर रहे हैं इसका अवलोकन करके उनके कार्य की मानीटरिंग करते हैं। विद्यार्थियों की प्रगति की निगरानी करना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उन्हें इन कामों में मदद मिलती है:

- ऊंचे ग्रेड हासिल करना
- अपने प्रदर्शन के बारे में अधिक सजग बनना और अपने सीखने के बारे में ज्यादा ज़िम्मेदार बनना
- अपने शिक्षण में सुधार करना
- प्रादेशिक और स्थानीय मानकीकृत परीक्षाओं में उपलब्धि का पूर्वानुमान लगाना।

एक शिक्षक के रूप में इससे आपको भी यह तय करने में मदद मिलेगी कि:

- कब प्रश्न पूछना है या संकेत देना है
- कब प्रशंसा करनी है
- कब चुनौती देनी है
- एक कार्य में विद्यार्थियों के अलग अलग समूहों को कैसे शामिल करना है

- गलतियों के लिए क्या करना है।

जब विद्यार्थियों को उनकी प्रगति के बारे में एक स्पष्ट और त्वरित प्रतिक्रिया दी जाती है तब उनमें सबसे ज्यादा सुधार होता है। निगरानी का उपयोग करने से आप नियमित रूप से प्रतिक्रिया देने में सक्षम होंगे, जिससे आपके विद्यार्थियों को यह पता चलेगा कि उनका प्रदर्शन कैसा है और अपने शिक्षण को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें और क्या करना होगा।

आपको जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा उनमें से एक यह है कि विद्यार्थियों की सहायता किस प्रकार की जाए, जिससे वे अपने स्वयं के सीखने के लक्ष्य निर्धारित कर सकें जिसे स्व-निरीक्षण भी कहा जाता है। विद्यार्थियों को, खासतौर पर जिन्हें पढ़ने में कठिनाई हो रही है, अपने सीखने का नियंत्रण अपने ही पास रखने की आदत नहीं होती है। लेकिन आप किसी भी विद्यार्थी की मदद कर सकते हैं, जिससे वे किसी परियोजना के लिए अपने लक्ष्य या ध्येय खुद तय कर सकें, अपने कार्य की योजना बना सकें और अंतिम तिथियाँ निर्धारित कर सकें तथा अपनी प्रगति का निरीक्षण खुद कर सकें। इस प्रक्रिया का अभ्यास करने और स्वतः निरीक्षण के कौशल पर महारत हासिल करने से उन्हें स्कूल में और अपने पूरे जीवन में ही बहुत मदद मिलेगी।

विद्यार्थियों की बात सुनना और अनुपालन करना

अधिकांशतः शिक्षक स्वाभाविक रूप से विद्यार्थियों को सुनते और उनका अवलोकन करते हैं; यह मानीटरिंग करने का एक सरल साधन है। उदाहरण के लिए आप:

- अपने विद्यार्थियों को ऊँची आवाज में पढ़ते समय सुन सकते हैं
- जोड़ियों या समूहकार्य में चर्चाओं को सुन सकते हैं
- कक्षा में या बाहर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने में विद्यार्थियों का अवलोकन कर सकते हैं
- जब समूह कार्य कर रहे हों, तब उनकी देहभाषा (body language) का अवलोकन कर सकते हैं।

सुनिश्चित करें कि आप जो अवलोकन एकत्रित करते हैं, वे विद्यार्थी के सीखने या प्रगति के वास्तविक प्रमाण हैं। केवल वही लिखें, जो आप देख सकते हैं, सुन सकते हैं, निर्धारित कर सकते हैं या गिन सकते हैं।

जब विद्यार्थी काम कर रहे हों तब अपनी कक्षा का चक्कर लगाकर अवलोकन की संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें। आप एक कक्षा सूची का उपयोग करके यह दर्ज कर सकते हैं कि किन विद्यार्थियों को अधिक मदद की ज़रुरत है और यदि कोई गलतफहमी उभर रही है, तो उसे भी दर्ज कर सकते हैं। आप इन अवलोकनों और टिप्पणियों का उपयोग पूरी कक्षा को प्रतिक्रिया देने या समूहों या व्यक्तियों को आगे बढ़ाने और प्रोत्साहन देने के लिए कर सकते हैं।

प्रतिक्रिया देना

प्रतिक्रिया वह जानकारी होती है जो आप एक विद्यार्थी को इस बारे में देते हैं कि एक वर्णित लक्ष्य या अपेक्षित परिणाम के संबंध में उन्होंने कैसा प्रदर्शन किया है। प्रभावी ढंग से दी गई प्रतिक्रयिा विद्यार्थियों को यह देती है:

- क्या हुआ है इसकी जानकारी
- कोई क्रिया या कार्य कितनी अच्छी तरह किया गया इसका मूल्यांकन
- इस बारे में मार्गदर्शन कि उनका प्रदर्शन किस प्रकार सुधारा जा सकता है।

जब आप प्रत्येक विद्यार्थी को प्रतिक्रिया देते हैं, तो इससे उन्हें यह जानने में मदद मिलनी चाहिए कि:

- वे वास्तव में क्या कर सकते हैं
- वे अभी तक क्या नहीं कर सकते
- दूसरों की तुलना में उनका काम कैसा है
- वे इसमें सुधार कैसे कर सकते हैं।

यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि प्रभावी ढंग से दी गई प्रतिक्रिया से विद्यार्थियों को मदद मिलती है। आप नहीं चाहेंगे कि आपकी प्रतिक्रिया अस्पष्ट या पक्षपाती हो, जिससे विद्यार्थी सीखना बंद कर दें। प्रभावी प्रतिक्रिया इस प्रकार की होती है:

- केंद्रित उन कामों पर जो किए जा रहे हैं और इस पर कि विद्यार्थी को क्या सीखना होगा
- स्पष्ट और ईमानदार, जो विद्यार्थियों को यह बताती है कि उनके सीखने के तरीके में क्या अच्छा है और किस्में सुधार ज़रूरी है

- कार्यवाही के योग्य, जो विद्यार्थियों से कुछ ऐसा करने को कहती है, जिसे वे कर पाने में सक्षम हैं
- इस तरह दी जाती है कि उसकी भाषा उपयुक्त हो, ताकि विद्यार्थी उसे समझ सकें
- इसे हमेशा सही समय पर दी जानी चाहिए – यदि यह बहुत जल्दी दी जाती है, तो विद्यार्थी को लगेगा कि 'मैं तो बस ये करने ही वाला था!'; अगर बहुत देर से दी जाती है, तो विद्यार्थी का ध्यान कहीं और चला जाएगा और वे वापस जाकर वह नहीं कर सकेंगे, जो करने को कहा गया है।

प्रतिक्रिया चाहे मौखिक हो या विद्यार्थियों की वर्कबुक में लिखकर दी जाए लेकिन यदि इसके लिए निम्नलिखित दिशार्निदेशों का पालन किया जाता है तो यह अधिक प्रभावी बन जाती है।

प्रशंसा और सकारात्मक भाषा का उपयोग करना

जब हमारी प्रशंसा की जाती है और हमें प्रोत्साहित किया जाता है तो आमतौर पर हम उस समय के मुकाबले काफी अधिक बेहतर महसूस करते हैं, जब हमारी आलोचना की जाती है या हमारी गलती सुधारी जाती है। सुदृढ़ीकरण और सकारात्मक भाषा समूची कक्षा और सभी उम्र के व्यक्तियों के लिए प्रेरणादायक होती है। याद रखें कि प्रशंसा विशिष्ट और कार्य पर लक्षित होनी चाहिए न कि स्वयं विद्यार्थी पर, अन्यथा इससे विद्यार्थी को प्रगति में मदद नहीं मिलेगी। 'बहुत बढ़िया' कहना विशिष्ट नहीं है, इसलिए निम्नलिखित में से कुछ कहना बेहतर होता है:

संकेत देने के साथ-साथ सुधार का उपयोग करना

आप अपने विद्यार्थियों के साथ जो बातचीत करते हैं, उससे उन्हें सीखने में मदद मिलती है। यदि आप उन्हें बताते हैं कि कोई उत्तर गलत है और आप बात वहीं ख़त्म कर देते हैं, तो आप सोचने और कोशिश करने में उनकी मदद करने का मौका गँवा देंगे। यदि आप विद्यार्थियो को कोई संकेत देते हैं और उनसे आगे एक प्रश्न पूछते हैं, तो इससे आप उन्हें ज्यादा गहराई में सोचने के लिए आगे बढ़ाते हैं उन्हें उत्तर ढूँढने तथा उनके खुद के सीखने के लिए ज़िम्मेदारी उठाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उदहारण के लिए, आप इस तरह की बातें बोलकर एक बेहतर उत्तर के लिए प्रोत्साहन दे सकते हैं या समस्या के किसी अलग पहलू की तरफ संकेत दे सकते हैं:

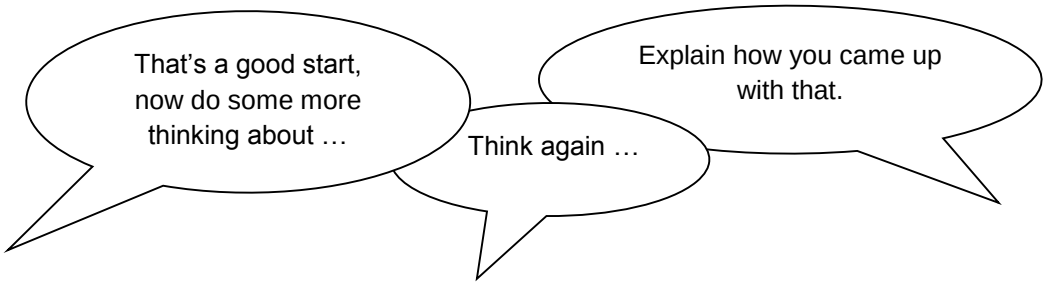

दूसरे विद्यार्थियों को एक दूसरे की मदद करने के लिए प्रोत्साहित करना उपयुक्त हो सकता है। आप इस तरह की टिप्पणियों के साथ अपने सवाल शेष कक्षा के साथ पूछकर यह काम कर सकते हैं:

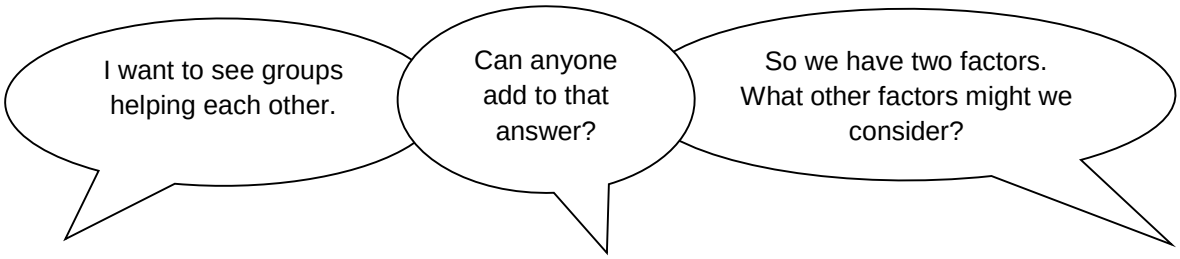

'हाँ' या 'नहीं' कहकर विद्यार्थियो के उत्तर सुधारना स्पेलिंग या संख्या अभ्यास जैसे कार्यों के लिए उपयुक्त हो सकता है, लेकिन इसके बावजूद भी यहाँ आप विद्यार्थियों को उनके उत्तरों में उभरने वाले पैटर्न देखने, उसी तरह के उत्तरों के साथ संबंध जोड़ने या इस बारे में चर्चा करने के लिए आगे बढ़ा सकते हैं कि कोई विशिष्ट उत्तर क्यों गलत है।

स्वतः सुधार और साथी सुधार प्रभावी होते हैं और आप जोड़ियों में काम कर रहे विद्यार्थियों को उनका खुद का काम और दूसरों के काम जाँचने को कहकर उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। एक बार में एक पहलू को सुधारने पर ध्यान केंद्रित करना सबसे अच्छा होता है क्योंकि इसमें भ्रमित करने वाली बहुत ज्यादा जानकारी नहीं होती।

संसाधन **2:** लेखन को विकसित करने के लिए गतिविधियाँ (Resource 2: **Activities to develop writing)**

1. कहानी के एक पात्र का चित्र बनाएँ। (Draw a picture of a character from a story.) यह आपकी पाठ्यपुस्तक से, या किसी ऐसी कहानी से हो सकता है, जो सबको अच्छी तरह मालूम हो। (It could be from your textbook, or from a story everyone knows well.) इसके बारे में अंग्रेज़ी भाषा में पाँच या छः वाक्य लिखें। (Write five or six sentences in English about it.)
2. दिए गए अव्यवस्थित वाक्यों को फिर से लिखकर एक सार्थक पैराग्राफ बनाएँ। (Rewrite the jumbled sentences provided, to make a meaningful paragraph.)
3. किसी भी विषय पर हाल ही में पढ़े गए किसी पाठ का सारांश बताने वाला एक पैराग्राफ लिखें और इसे समझाएँ। (Write a paragraph summarising a recent lesson in any topic and illustrate it.)
4. एक कहानी या कविता पर आधारित एक बुकमार्क बनाएँ। (Make a bookmark based on a story or a poem.) बुकमार्क में एक तरफ एक पात्र का चित्र बनाएँ या संक्षिप्त सारांश लिखें। (Draw a character or write a brief summary on one side of the bookmark.) दूसरी तरफ कहानी का शीर्षक और लेखक का नाम लिखें। (On the other, write the title of the story and the name of the author.)
5. पुस्तक के लेखक को एक पत्र भी लिखें। (Write a letter to the author of a book.) (यदि लेखक जीवित हैं, तो आप अपने राज्य के पाठ्यपुस्तक निगम से उनका पता ढूँढने की कोशिश कर सकते हैं और आपके विद्यार्थियों के कुछ पत्र उन्हें भेज सकते हैं।) ((If the author is living, you can try to find the address from your state textbook society and post them some of the students' letters.))
6. (बड़ी उम्र वाले विद्यार्थियों के लिए) छोटी कक्षाओं के विद्यार्थियो की एक कहानी पर आधारित बड़ी पुस्तक बनाएँ। ((For older students) Make a big book based on a story for students in lower classes.)
7. किसी भी विषय पर हाल ही में पढ़ाए गए किसी पाठ पर आधारित कम से कम दस प्रश्नों वाली एक अंग्रेज़ी भाषा प्रश्नोत्तरी तैयार करें। (Set an English quiz with at least ten questions based on a recent lesson on any topic.) इससे सीखना सशक्त बनाने और लेखन का अभ्यास करने में मदद मिलती है। (This helps to reinforce learning as well as to practise writing.) जब विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तरी सुलझाने का प्रयास कर लिया है, तो उनसे पेपरों की अदलाबदली करने और एक-दूसरे का काम जाँचने को कहें। (After they have tried the quiz, ask the students to exchange papers and check each other's work.)
8. विद्यार्थियों को एक कहानी सुनाएँ, लेकिन उन्हें इसका अंत न बताएँ। (Tell the students a story but do not tell them the ending.) उनसे कहें कि वे अनुमान लगाएँ और लिखें कि आगे क्या हुआ होगा। (Ask them to guess what happened at the end and write it down.) याद रखें कि कहानी के मामले में कोई भी अंत सही या गलत नहीं होते। (Remember that there are no right or wrong endings to a story.)
9. विद्यार्थियों से कक्षा में कोई छोटी-सी वस्तु जैसे पेन्सिल, बॉक्स, पत्ता आदि लाने को कहें। कक्षा को पाँच या छः के समूहों में बाँटें। (Ask the students to bring one small object to the class, such as a pencil, box, leaf, etc. Divide the class into groups of five or six.) उनके द्वारा लाई गई सारी वस्तुएँ समूह के केंद्र में रखी जाती हैं। (All the things they brought are placed in the centre of the group.) दस मिनट की सीमा में, प्रत्येक समूह उनके द्वारा लाई गई वस्तुओं पर आधारित एक संभावित कहानी पर चर्चा करता है। (With a limit of ten minutes, each group discusses a possible story based on the objects they have brought.) इसके बाद वे कहानी लिख सकते हैं (जो कम से कम पाँच से छः लाइनों की होनी चाहिए)। (They then write out the story (which should be a minimum of five to six lines long).) प्रत्येक समूह से कोई एक विद्यार्थी कक्षा को वह कहानी पढ़कर सुनाता है। (One student from each group narrates the story to the class.) सर्वश्रेष्ठ कहानी वह होगी, जिसमें उस समूह द्वारा लाई गई सभी वस्तुएँ शामिल हैं। (The best story is the one that includes all the objects the group had brought in.)

10. कक्षा को पाँच के समूहों में बाँटें। (Divide the class into groups of five.) प्रत्येक समूह के पास लिखने के लिए एक कागज़ और कम से कम के पेन्सिल होनी चाहिए। (Each group has one piece of paper to write on, and at least one pencil.) कोई भी पूर्व चर्चा किए बिना, समूह को एक कहानी तैयार करनी चाहिए, जिसमें समूह का प्रत्येक विद्यार्थी एक बार में एक वाक्य जोड़े। (Without prior discussion, the group should come up with a story, with each student in the group contributing one sentence at a time.) प्रत्येक समूह में शुरुआत करने के लिए 'स्टार्टर' के रूप में एक विद्यार्थी को चुनें। (Without prior discussion, the group should come up with a story, with each student in the group contributing one sentence at a time.) स्टार्टर कागज़ पर एक वाक्य लिखता है, और कागज़ अब समूह के अगले विद्यार्थी के पास जाता है। (The starter writes one sentence on the piece of paper, which now goes to the next student in the group.) अगला विद्यार्थी अब एक और वाक्य लिखता है, जो पहले से मौजूद वाक्य से जुड़ा होना चाहिए। (The second student contributes a sentence that combines with the one already there.) यह कागज़ लगातार समूह में घूमता रहता है, जब तक कहानी पूरी न हो जाए। (The paper keeps going around until the story is complete.) कोई भी किसी भी समय यह तय कर सकता है कि कहानी अब आगे प्रगति नहीं कर सकती। (Anyone can decide at any point that the story cannot progress any more.) यदि अन्य लोग सहमत हों, तो समूह एक नई कहानी का नया वाक्य – या पहली कहानी का अगला अध्याय – लिखने के लिए किसी अन्य स्टार्टर को चुनता है! (Anyone can decide at any point that the story cannot progress any more.)

अतिरिक्त संसाधन

- RVEC Bangalore: http://www.rvec.in/
- Teachers of India classroom resources: http://www.teachersofindia.org/en

सन्दर्भ

Bhatt, H. (2009) 'Reading and learning: my experiments in my village school', *Learning Curve*, no. 13, pp. 34–6. Available from: https://www.yumpu.com/en/document/view/9502104/learning-curve-issue-xiii-azim-premji-foundation/35 (accessed 8 July 2014).
Dombey, H. and Moustafa, M. (1998) *Whole to Part Phonics: How Children Learn to Read and Spell*. London: Centre for Literacy in Primary Education.
Graham, J. and Kelly, A. (2012) *Reading under Control: Teaching Reading in the Primary School*, 3rd edn. London: Routledge.
Graves, D. (1994) *A Fresh Look at Writing*. Portsmouth: Heinemann.
Graves, D. (2003) *Writing: Teachers and Children at Work*. Portsmouth: Heinemann.
O'Sullivan, O. (2007) *Understanding Spelling*. London: Centre for Literacy in Primary Education.
Smith, F. (1994) *Writing and the Writer*. London: Routledge.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/)। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा लाइसेंस के अंतर्गत ही इस प्रोजेक्ट में उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons Licence से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि यह सामग्री अपरिवर्तित रूप से केवल TESS-India प्रोजेक्ट में ही उपयोग की जा सकती है और यह किसी अनुवर्ती OER संस्करणों में उपयोग नहीं की जा सकती। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस युनिट में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतारूपी आभार किया जाता है:

चित्र 3: मैथिली रामचंद द्वारा दिया गया। (Figure 3: provided by Mythili Ramchand.)

चित्र 4 और 5: http://esol.coedu.usf.edu/ से उद्धृत। (Figures 4 and 5: extract from http://esol.coedu.usf.edu/.)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।